B.A. (Part II) EXAMINATION, 2019

(Faculty of Arts)

[Also Common with Subsidiary Paper of B.A. (Hons.) Part-II

Three-Year Scheme of 10+2+3 Pattern]

संस्कृत साहित्य-I

प्रथम प्रश्न-पत्र—वैदिक साहित्य, गद्य साहित्य एवं व्याकरण

Time Allowed : Three Hours Maximum Marks : 100

सभी (लघूत्तरात्मक तथा वर्णनात्मक) प्रश्नों के उत्तर मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें। लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर प्रश्नों के क्रमानुसार ही दें। इसी प्रकार किसी भी एक वर्णनात्मक प्रश्न के अन्तर्गत पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर, उत्तर-पुस्तिका में अलग-अलग स्थानों पर हल करने के बजाय एक ही स्थान पर क्रमानुसार हल करें। प्रश्नों के उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न पत्र पर रोल नम्बर अवश्य लिखें।

किसी भी परीक्षार्थी को पूरक उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जाएगी। अत: परीक्षार्थियों को चाहिए कि वे मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों के उत्तर सही ढंग से लिखें।

PART-I (SHORT ANSWER TYPE QUESTIONS) **M.M. : 30**

भाग-I (लघूत्तरात्मक प्रश्न) **अधिकतम अंक : 30**

प्रत्येक प्रश्न-पत्र में 15 प्रश्न लघूत्तरात्मक होंगे जिसमें से प्रथम 5 प्रश्नों का उत्तर संस्कृत भाषा के माध्यम से देना होगा, प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं। जिस प्रश्न-पत्र में संस्कृत अनुवाद/निबन्ध पूछे गए हैं, वहाँ संस्कृत में उत्तर अपेक्षित नहीं है।

1. देवताओं का 'मुख' किसे कहा गया है ?
2. इन्द्र वज्र द्वारा किनका हनन करता है ?
3. अमरता और मृत्यु किसकी छाया है ?
4. 'कठोपनिषद्' सम्बन्धित है।
5. 'शुकनासोपदेश:' के लेखक, उपदेशक, श्रोता और उपदेश स्थल का उल्लेख कीजिए।
6. 'शुकनासोपदेश:' के अनुसार कौनसा वृक्ष अपने पुष्प-पराग से समीपस्थ लोगों के सिर में दर्द उत्पन्न कर देता है ?
7. किस धारणा से राजाओं की बुद्धि विनिष्ट हो जाती है ?
8. ऋग्वेद के दो आरण्यक कौनसे हैं ?
9. 'वेद' शब्द का अर्थ/स्वरूप समझाइए।
10. 'शरोऽपि' सूत्र का अर्थ लिखिए।
11. 'हरि' शब्द की षष्ठी के रूप लिखिए।
12. 'अस्मद' शब्द की चतुर्थी विभक्ति के रूप लिखिए।

13. 'हरि+ जस्' में गुण विद्यायक सूत्र है–

14. 'चतुर्ण्णाम' में नुट् आगम करने वाला सूत्र है।

15. 'मति' शब्द के चतुर्थी एकवचन का रूप है।

PART-II (DESCRIPTIVE) **M.M. : 70**

भाग-II (वर्णनात्मक प्रश्न) **अधिकतम अंक : 70**

1. निम्नलिखित मंत्रों में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 5+5=10

(क) राजन्तमध्वराणा गोपा मृतस्य दीदिविम्।
वर्धमानं स्वे दमे॥

(ख) इमं मे वरूण श्रुधी हवमद्या च मृलय।
त्वामवस्युरा चके॥

(ग) यो जात एव प्रथमो मनस्वान्–
देवा–देवान्क्रतुना पर्यभूषत्।
यस्य शुष्माद्रोदसी अभ्यसेतां,
नृम्णस्य महा सं जनास इन्द्रः॥

(घ) इन्द्रः सीतां नि गृहातु तां पूषानु यच्छतु।
सा नः पयस्वती दुहामुत्तरामुत्तरां समाम्॥

2. पठित सूक्त के आधार पर अग्नि देवता का स्वरूप उद्धरणपूर्वक लिखिए।

अथवा

पठित सूक्त के आधार पर इन्द्र देवता का चरित्र–चित्रण कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किसी एक मंत्र की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 6

(क) अनुपश्य यथा पूर्वे प्रतिपश्य तथापरे।
सस्यमिव मर्त्यः पच्यते सस्यमिवाजायते पुनः॥

(ख) आशा प्रतीक्षे संगतं सूनृतां च
चेष्टापूर्ते पुत्रपशूंश्च सर्वान्।
एतद् वृङ्क्ते पुरूष स्याल्पमेधसो
यस्यानश्नन् वसति ब्राह्मणो गृहे॥

4. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

(क) ''गर्मेश्वरत्वमभिनवयौवनत्वम प्रतिमरूपत्वम मानुषशाक्तत्वंचेति महतीय खल्वनर्धपरम्परा। सर्वाविनयानामेकैकमप्येषामायतनम् किमुत् समवायः। यौवनारंभे च प्रायः शास्त्रजल प्रक्षालननिर्मलापि कालुष्यामुपयति–बुद्धिः। अनुज्झितधवलतापि सरागैव भवति यूनां द्रष्टिः। अपहरति च वात्येव शुष्कपत्रं समुद्भूतरजोभ्रांति रतिदूरम् आत्येच्छया योवनसमये पुरूषं प्रकृतिः। इन्द्रियहरिण हारिणी च सततमति दुरन्तेयम् उपभोगमृगवृष्णिका। नव यौवन काषायितात्मनश्च सलिलानिव तान्येव विषयस्वरूपपाण्या स्वाद्यभानानि मद्यतराण्यापतन्ति मनसः। नाशयति च दिङ्मोह

इवोन्मार्गवर्तकः पुरूषमत्यासंगो विषयेषु।''

(ख) ''गुरूपदेशश्च नाम पुरूषाणामखिल प्रक्षालनममजलस्नानम् अनुपजातपलितदिवैरूधमजंर वृद्धत्वम् अनारोपितमेदादोषं गुरूकरणम् असुवर्णविरचनमग्राय्य कर्णाभरणम् अतीतज्योति शलोकः नोद्वेगकरः प्रजागरः।''

(ग) कमलिनीसञ्चरण व्यक्तिकरलग्ननलिनीलकण्टक क्षतेव न कवचिदपि निर्भरमा-बध्नाति पदम्। अति प्रयत्नविधृतापि परमेश्वरगृहेषु विविधगन्धगजगण्डमंधुपानमत्तेव परिस्खालति। पारूष्यमिवोपशिक्षितुमसिधारासु निवसित। विश्वरूपमिव ग्रहीतु माश्रिता नारायणमूर्तिम्॥

(घ) ''मनसा देवताध्यारोपणप्रतारणा सम्भूत सम्भावनोपहताश्चान्तः प्रविष्टापर भुजद्वयमिवात्यबाहुयुगलं सम्भावयन्ति। त्वगन्तरित तृतीय लोचनं स्वललाटमाशङ्कन्ते। दर्शनप्रदानमप्युनुग्रहं गणयन्ति। द्वष्टिपातमव्युपकारपक्षे स्थापयन्ति। संभाषणमपि संविभागमध्ये कुर्वन्ति। आज्ञामपि वर प्रदानं मन्यन्ते। स्पर्शमपिपावनमाकलयन्ति।''

5. **'शुकनासोपदेश' के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि सांसरिक सम्पूर्ण अवगुणों की जननी लक्ष्मी है।** **अथवा**
राजाओं के अभिमान से उत्पन्न व्यावहारिकता की विकृतियों का वर्णन कीजिए।

6. **'ऋग्वेद के प्रतिपाद्य' विषय पर एक निबन्ध लिखिए।** **अथवा**
'यजुर्वेद का प्रतिपाद्य विषय' पर टिप्पणी लिखिए।

7. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए–**
(क) नाडऽदिचि (ख) अमि पूर्वः (ग) पदान्तस्य (घ) नामि

8. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो पदों की सूत्रोल्लेख पूर्वक सिद्धि कीजिए–**
(क) रामेण (ख) सर्वस्यै (ग) हरेः (घ) रमा

9. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए–**
(क) शरोऽचि (ख) धो न्धः (ग) शसो न (घ) शेषे लोपः

10. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो पदों की सूत्रोल्लेख पूर्वक सिद्धि कीजिए–**
(क) राजा (ख) त्वम (ग) त्वया (घ) विदुषे